of Secondary Education examination 1995-96. is:—

Class Xth	— 84%
CJass Xllth	— 81.5%

(b) and (c) Yes, Sir. The endeavour of the Samiti is to cover more eligible districts depending on receipt of complete and suitable proposals from the State Government including offer of 30 acres of land free of cost, temporary accommodation free of rent and other infrastructural facilities, and subject to availability of financial resources.

केन्द्रीय विद्यालय संगठन के शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की वरिष्ठता संबंधी समिति के प्रतिवेदन का परिचालन

*597. **श्री शिव चरण सिंह:**
श्री पराग चालिहा:

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री 26 जुलाई, 1996 को राज्य सभा में तारांकित प्रश्न 244 के दिए गए उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या 6 सितम्बर, 1993 को केन्द्रीय विद्यालय संगठन के शासी निकाय द्वारा किये गये प्रस्ताव के अनुसरण में गठित की गई समिति के प्रतिवेदन को उसकी 61वीं बैठक की कार्यसूची के परिशिष्ट के रूप में सदस्यों में आधिकारिक रूप से परिचालित किया गया था; और

(ख) यदि हां, तो इन दोनों परस्पर-विरोधी उत्तरों का समाधान किस प्रकार किया जा सकता है?

मानव संसाधन विकास मंत्री (श्री एस॰आर॰ बोम्मई): (क) और (ख) केन्द्रीय विद्यालयों के शिक्षणेत्तर कर्मचारियों, केन्द्रीय विद्यालय संगठन मुख्यालय और क्षेत्रीय कार्यालयों के लिए एक समान संवर्ग के प्रश्न की जांच करने के लिए गठित की गई समिति की रिपोर्ट, केन्द्रीय विद्यालय संगठन के शासी निकाय की 61वीं बैठक के लिए पृथक-कार्यसूची मद में एक परिशिष्ट के रूप में गलती से परिचालित कर दी गई थी। यह अन्तिम रिपोर्ट नहीं थी क्योंकि यह केन्द्रीय विद्यालय संगठन के आयुक्त, जो इस समिति के चार सदस्यों में से एक सदस्य हैं, द्वारा हस्ताक्षरित नहीं थी। अतः यह शासी बोर्ड को बिल्कुल परिचालित नहीं की जानी चाहिए थी। परिणामस्वरूप तारांकित प्रश्न संख्या 244 का दिया गया उत्तर सही है।

Declining tread in wagon HMMHon

*598. SHRl JAYANT KUMAR MALHOTRA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that despite several operational and infrastructural improvements, the wagon utilisation, particularly on the Central, North-East Frontier, Southern, South Central and South Eastern Railways has been showing a declining trend;

(b) if so, the reasons therefor; and

(c) the steps taken or proposed to be taken by Government to improve the situation?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI RAM VILAS PASWAN): (a) No, Sir.

(b) Does into arise.

(c) Although there has been no decline in wagon utilisation figures, efforts are always made to go on bringing improvements in the position. In this direction, following steps have been taken;

(i) Engine on load system.

(ii) Introduction of crack rakes of air-brake stock on specified circuits with intensive maintenance to give extended run.

(iii) Segregation of unloaded box wagons.

(iv) Introduction of higher Horse Power locos to increase the speed of freight trains; and

(v) Intensive monitoring at terminals for loading and unloading to reduce detention to wagons etc.

मध्य प्रदेश में रेल परियोजनाएं

*599. **श्री दिलीप सिंह जूदेव:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सातवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान स्वीकृत मध्य प्रदेश की उन रेल परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है जिन्हें अभी तक पूरा नहीं किया गया है;

(ख) इनमें से कितनी परियोजनाओं पर स्वीकृत राशि खर्च की गई है;

(ग) क्या सरकार ने इन स्वीकृत और लम्बित परियोजनाओं को आठवीं पंचवर्षीय योजना में शामिल किया है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) यदि नहीं,तो इसके क्या कारण हैं?

रेल मंत्री (श्री राम विलास पासवान): (क) से (घ) मध्य प्रदेश में तीन रेल परियोजनाएं हैं जो सातवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान स्वीकृत की गई थीं और जिन्हें अभी पूरा किया जाना है। इन परियोजनाओं का ब्यौरा इस प्रकार है:—

(i) गुना -इटावा (शिवपुरी-ग्वालियर-भिंड के रास्ते) नई लाइन:

अनुमोदन का वर्ष	1985-86
लंबाई	348 कि०मी० (320 कि०मी० मध्य प्रदेश में)
प्रत्याशित लागत	256.00 करोड़ रु०
31.3.96 तक खर्च	133.21 करोड़ रु०
1996-97 के लिए परिव्यय	22 करोड़ रु०
प्रगति	56%

चरण I: गुना से शिवपुरी तक (102 कि०मी०) का कार्य पूरा हो गया है।

चरण II: शिवपुरी से ग्वालियर तक (122 कि०मी०)

शिवपुरी-खजुरी (15 कि०मी०) और ग्वालियर-पनिहार (24 कि०मी०) पर कार्य पूरा हो गया है। पनिहार-खजूरी खंड (83 किमी०) पर कार्य चल रहा है और इसे 31.12.97 तक पूरा करने का लक्ष्य है।

चरण III: ग्वालियर-भिंड खंड का आमान परिवर्तन

ग्वालियर से नोनेरा (33कि०मी०) तक का कार्य पूरा हो गया है। नोनेरा से भिंड (51 कि०मी०) का कार्य चरण II के पूरा हो जाने के बाद शुरू किया जाएगा।

चरण IV: भिंड से इटावा तक का कार्य लगभग 5 वर्ष के समय में चरण III के पूरा हो जाने के बाद शुरू किए जाने की संभावना है। इस भाग में यमुना और चंबल नदी पर दो बड़े पुल बनाने होंगे और इस कार्य को शुरू करने से पहले गहन क्षेत्र परीक्षण करने होंगे।

(ii) गोधरा-दाहोद-इंदौर और देवास-मक्सी नई लाइन:

अनुमोदन का वर्ष	1989-90
लंबाई	316 कि०मी० (216 कि०मी० मध्य प्रदेश में)
प्रत्याशित लागत	297.14 करोड़ रु०
31.3.96 तक खर्च	9.71 करोड़ रु०
1996-97 के लिए परिव्यय	0.98 करोड़ रु०

मीटर/छोटी लाइनों को बड़ी लाइनों में बदलकर उपलब्ध कराए जा रहे वैकल्पिक मार्गों को ध्यान में रखते हुए, इस परियोजना पर कार्य रोक दिया गया था। अब इसे फिर से शुरू किया जा रहा है।

(iii) नागदा-भोपाल खंड के 29 स्टेशनों पर रन-थ्रू लाइन, लूप लाइनों और सम्मुख कांटों से ब्लाक खंड सीमा बोर्ड तक का रेलपथ परिपथन तथा 18 स्टेशनों पर थ्रुग काउंटरों द्वारा ब्लाक जांच की व्यवस्था:

स्वीकृति का वर्ष	1988-89
प्रत्याशित लागत	15.12 करोड़ रु०
31.3.96 तक खर्च	12.90 करोड़ रु०

सभी 29 स्टेशनों पर रेलपथ परिपथन का कार्य पूरा हो गया है। थ्रुग काउंटर संबंधी कार्य चल रहा है। इस कार्य के पूरा होने की लक्ष्य तारीख दिसंबर 1997 है।

(ङ) प्रश्न नहीं उठता।

In-Service Training of Academic Staff

*600. SHRI V. RAJESHWAR RAO:
DR. SHRIKANT RAMCHANDRA JICHKAR:

Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether Government believe that the assessment and enhancement of quality of higher education should start with by actively involving the teaching and research staff given their pivotal role in its activities;

(b) if so, whether Government propose to lay stress on the need for initial and in-service training of academic staff and for more rigorous mechanism in the selection and training of staff for